

१ वनखा
१ लयदाखी
१ अत्रातिता
१ कर्णवी प्रभा
१ डलनखी
१ वनमात्रिखी
१ कनवखी
१ कयमात्रिखी
१ नूवकानखी

१ श्रीखलु
१ मात्रदा
१ वसिगुप्ति
१ कनवर्द
१ कमुत्रि
१ मत्रमित्र
१ कूकूम
१ गवत्राखी
१ लुनति॥

७ - मोगलमोहि
पत्र ७ प्र०

64

ॐ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ ॐ नमः सर्ववृद्धवाधिमहत्वा ॥ नत्वादको श्री गुरु
 वज्रसत्त्वसत्त्वयको नायकममातिनायक ॥ नागकुनाजस्य मधुलस्य वक्रास्य
 ॥ यथर्मगुरुमधुलकृत्वा यथा नागयिसमाकावयत ॥ ॥ समन्वाहर्ननु
 मां वृद्धाजसत्वादि ॥ नृसत्त्वता ॥ ३ ॥ नमावेनावनसुलननवन
 ननागनाजाय ॥ ३ ॥ नन्दवननना सर्वनागसमचित्ता ॥ सका
 किनरुणासंयवनमननयकम् ॥ सर्वसत्त्वजलनिधाय वनननाम
 काहं ॥ ॐ स्वरावधुद्धा ॥ सर्ववेम्मी ॥ स्वरावधुद्धा ॥ इदं गुणागुणानवज
 स्वरावधुद्धा ॥ इदं ॥ इति धर्मसूत्रावधुद्धा ॥ वामदक्षस्य

गुलं ॥ ॐ वज्रयदसुद्धा ॥ ॐ वंजंजिखं ॥ ॐ ॥ ॐ वंसादा ॥ वज्र ॥ ॐ वंसादा ॥ वज्र ॥ ॐ वंसादा ॥ वज्र ॥ ॐ वंसादा ॥ वज्र ॥
 लोमां यो नो जं ॥ ॐ नागसुक्लने ॥ २ मजावद्धं
 रुट्त्वादा ॥ ॐ ॥ मित्रमि ॥ ॐ ॥ इति ॥ ॐ ॥
 कर्त्तव्यं ॥ ॐ ॥ वक्रदया ॥ ॐ ॥ नासावधया ॥
 ॐ ॥ मया ॥ ॐ ॥ क ॥ ॐ ॥ दया ॥ ॐ ॥ ना
 ॥ ॐ ॥ युक्ता ॥ ॐ ॥ दया ॥ ॐ ॥ मित्राय ॥ ॐ ॥
 मा ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ इति कायाधिसाग ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ गन्ध ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ धूप ॥

ॐ नमो स्वाहा ॥ दीप ॥

ॐ ज्ञो स्वाहा ॥ बाहु ॥ धन ॥
वर्हेत धुन वलिके ॥ ॥ ॥

ॐ वज्रहम हूं स्वाहा

मनुनाधिष्ठानं कथ्यते ॥

नगादिगन्धर्वनकावयन ॥ ॐ स मृ नि स मृ हूं २ द ट ॥ ॐ गृ क्क २ हूं २ द ट ॥ ॐ गृ क्का य य २ हूं २ द ट ॥ ॐ ज्ञा न म स्वाहा
गव न विद्या ना ज हूं २ द ट ॥ मृ टि गो ख रु द व ना का धूं नृ य द ख रु दि वि को सि त क म ला ल्य वि सं सृ यो क हूं का न नि यो
न ॥ दं ग दि ग व श्वा का व नो न ॥ ॐ म द नि व जि न व ॥ त म क ॥
ध व म नू ष्म ज सू ना दि न य न्म र्षे ता न य ग्ध न दि द ॥ स र्वा पु द व श्म
न सि ष्ठ त्वा ख रु द्दी ज ख न वं का व य वि ष म्म ला र्ही व द्वा
न ल्य क्क न ग्मि ना क ष्म ॥ अ क र्ष द ॥ य ना ग रु व न ना ग ग द द ॥ अ ग्री व नू ष्म ना ग ना जा स य वि वा ना दृ द्वा क र्ष य न ॥ ॥

१३ वडा कृमि ४॥

उँ वज्रयाम् ह्रीं॥

ॐ वज्रस्तुतव ॥

१३ व जा व म दा ॥

ॐ श्री व नृ नाग ना
नाय स्व वि वा नाय
युक् न स्का नाय या द्य
पति क स्वाहा ॥ ॥

受

इव वसुधा यन्निव नृधना
गन्ताना यन्निव विद्वाना य
अर्थं प्रति युखादा ॥ ॥

डैववन सत्कानायश्रीव
 नृयनागनागायसय नि
 वानायश्रीवमनीपुनिकुस
 ल॥ ॥

ॐ वज्रवन्धनागनागाय
वनसंस्कार्यो कर्मण्य
तिष्ठस्वास्त्यसि यत्रिवा नायः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ आ ४ व नाग नागाय व
ज व नृ ध नाग नागाय व
ज यू र्षी प्र ति कृ स्वा हा ॥
म ध ॥ ॐ आ ४ व नाग नाग
व व नृ ध नाग नागाय व
ज यू र्षी प्र ति कृ स्वा हा ॥
ॐ आ व ज व नृ ध नाग
नागाय व ज यू र्षी प्र ति
कृ स्वा हा ॥ ५ ॥ ॐ वांः
वा ह की नाग नागाय व

जयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ व ॥ डं नं नक क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं कं क काट क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ व ॥ डं यं य द्य नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ ड ॥ डं हं ह लू र यो नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ न ॥ डं मं म सदा य द्य नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ न ॥ डं कं क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ डं गं गं ख पा ल नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ ०० ॥ न द्वा क य द्य द ल चा न य लि का या म द्य ७
यूर्य॥ डं गं ग र्ज न नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ म ॥ डं वं व लु वे र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं वं व क ष नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं सं सूर्य य र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ डं गं ग न वा ह नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ दे कि ष द्वा ना ग य द्य म द्य य लि का या ॥ ॥

डं मं म वि नि क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं मं म शि पु र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं ०० ॥ डं तु नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं वं व र्ण नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ या मा स व र्ण य द व ४ यूर्य र्द व स्य रि वा र्थ य य क मा गु च्छ का या हा ना र्थ मि ति ॥ न ना ना जा न म क यूर्य ०० ॥ डं हं ह ल नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ ॥ य ग्रि म द्वा ना ग य लि का या म द्य ॥ डं गं ग क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ डं सिं सिं न नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ डं जं ज म न नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ द ॥ डं वं व लु वे र नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ डं गं ग न नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ वा ॥ डं रु द्वा ना ग य लि का या म द्य ॥ डं जं ज नी ल नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥ ड ॥ डं जं ज न क नाग नाजाय वजयूर्ययुनिक्कस्वाद॥

कृष्णादा॥ ८॥ ॐ नमो नमो नागनागायवजयुष्ययुगीकृष्णादा॥ ८॥ ॐ वज्राग्रहं॥ ॐ वज्राग्रहं॥
 ॐ गंग नमो नागनागायवजयुष्ययुगीकृष्णादा॥ वा॥ ॐ संसदसुत्रिक
 नागनागायवजयुष्ययुगीकृष्णादा॥ य॥ ॐ अग्निदिसियद्वयले॥ ॐ नमो
 नमो नागनागायवजयुष्ययुगीकृष्णादा॥ अ॥ ॐ नमो नमो नागना
 गायवजयुष्ययुगीकृष्णादा॥ ने॥ ॐ संसमृद्धनागनागायवजयुष्य
 युगीकृष्णादा॥ वा॥ ॐ वैवर्धनागनागायवजयुष्ययुगीकृष्णादा
 ॥ ॐ ॥ यथैवहावयुजा॥ ॥ ला॥

ॐ वगीनकी॥ ॐ वजनृत्त्यज॥ ॐ वजयुष्यहं॥ ॐ वजधूयगं॥ ॐ वजावहाकि न
 की॥

[illegible]